जुर्माना
वाह! यातायात पुलिस की यह वर्दी तो बड़ी शानदार है.
याद रहे, यह तुम्हें काम करने के लिए पहनायी गयी है; अच्छा नजर आने के लिए नहीं.
प्रमुख
समाचार
KG4290/D89081
जानता हूं. वरना नौकरी नहीं छूट जायेगी!
तुम्हें यहां मजाक करने के लिए भी नहीं रखा गया है.
माफी चाहता हूं, साहब. अब मैं मजाक नहीं करूंगा.
बहुत अच्छे! यह लो, पार्किंग की रसीदें. जो भी गलत जगह कार खड़ी करे...
...उस पर जुर्माना कर के रसीद काट देना. दोपहर तक पेंसिल आधी हो जानी चाहिए.
जी, साहब... उफ्फ!
लीजिए, कितनी जल्दी आधी कर दी!
तुम यहां से दफा होते हो या नहीं? जाओ, काम करो!

सुबह से घूम रहा हूं, लेकिन अभी तक एक भी कार पर जुर्माना नहीं किया.
आज तो सब लोग कानून का पालन करने के मूड में लगते हैं.
पर अगर मैंने किसी कार पर जुर्माना न किया, तो मेरी नौकरी खतरे में पड़ जाएगी.
आह! आखिर गलत जगह पर खड़ी एक कार मिल ही गयी.
व्यायाम शाला
अरे जंबो, देखो तुम्हारी कार पर जुर्माना किया जा रहा है.
श्रीमान जी, क्या यह आपकी कार है?
गर्रर्रर्र...!
'हां' या 'न'— कुछ तो कहिए...

हा, है मेरी कार! बोल, तू क्या कर लेगा?
यह गलत जगह खड़ी है जो कि कानूनन अपराध है. आपको जुर्माना भरना होगा.
तेरी ऐसी की तैसी! चल फूट!
गूफी दूर जा कर गिरा...
ब्यूटी
घूंसा बढ़िया पड़ा – मैं ठीक एक ऐसी कार के सामने आ कर गिरा जो गैरकानूनी जगह खड़ी है.
ब्यूटी
ठहरो भाई, ठहरो! मुझ गरीब बुढ़िया पर दया करो...!
मेरी है सिर्फ इतनी नहीं कि आप के जुर्माने की मोटी रकम भर सकूं...
(सुबक) बहुत दुख हुआ जान कर...! चलिए इस बार आपको छोड़ देता हूं...
लेकिन अगली बार कार खड़ी करते समय ध्यान रखिएगा.
भगवान तुम्हारी खूब तरक्की करे, अफसर.
कितनी अच्छी लग रही है 30 लाख रुपये की कार चलाते हुए!

30 लाख की कार!
हाय! मैं भी कैसा मूर्ख हूँ!
बोनी बैंक
वाह! यह कार भी पकड़ी गयी! फुटपाथ पर खड़ी है.
दीजिए भई, आप लोगों को तो जुर्माना भरना ही पड़ेगा!
अरे-अरे, जरा रसीद तो काटने दो!
फिलहाल हम बहुत जल्दी में हैं!
इस काम में तो कोई इज्जत ही नहीं है!
अरे... साहब...
गूफी, अब तक कितनी कारों पर जुर्माना ठोका? कितनी रसीदें काटीं?
एक भी नहीं, साहब! आज तो किस्मत ही खराब है!
फिर तो तुम्हारी नौकरी भी गयी ही समझो
ल-लेकिन साहब...
स्टेशन जा कर इस्तीफा दे आओ.

लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था...
आज के ताजा समाचार... बोनी बैंक में डाका पड़ा...
मेरी नौकरी पर भी तो डाका पड़ गया...
...यही नहीं, बल्कि लुटेरों ने अच्छी गाड़ी गैरकानूनी ढंग से फुटपाथ पर खड़ी कर रखी थी...
अरे! यानी ये तो वही लोग हैं, जिन्होंने मुझे धकेला था...
यह उन्हीं लोगों की कार लगती है...
याद आया...
मैंने इसका नंबर रसीद पर लिख लिया था...
A-723
बैंक के लुटेरे!
किसी भी जगह के तीन टिकट दे दो...
यह तो बहुत अच्छा मौसम है. कहीं भी हो आइए.
इस बार मैं इन्हें बच कर नहीं जाने दूंगा..

वार्षिक शुल्क 134 रुपये चेक या डिमांड ड्राफ्ट लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड के नाम भुगतान हेतु भेजें। दिल्ली, बम्बई, मद्रास व कलकत्ता के डिमांड ड्राफ्ट/चेक केवल एम.आई.सी. होने चाहिए। कृपया अपना नाम, पता तथा धन-प्रेषण पी.ओ. बाक्स 29, लिविंग मीडिया इंडिया लिमिटेड नई दिल्ली, 110 001 को भेजें।